GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to VBU Hazaribag & JAC Ranchi

Newsletter

Bulletin ISSUE January-April 2019

From the Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्राचार्या के नेतृत्व में कॉलेज में सृजनशीलता और सांस्कृतिक परिवेश की स्थापना हुई है। आपके अन्दर विश्वास, विनम्रता, धैर्य अनुशासन और कुछ कर दिखाने का दृढ़ संकल्प है। विशेष पहलू यह है कि आपने सकारात्मकता को आत्मसात् और नकारात्मकता का परित्याग किया है। कॉलेज के उत्तरोत्तर विकास में आपके समर्पित भाव से ऐसा प्रतीत होता है कि वह दिन दूर नहीं जब यह कॉलेज विनोबा भावे विश्वविद्यालय से इतर झारखण्ड राज्य का अद्वितीय संस्थान होगा। विकास के पथ पर सतत् अग्रसर रहें - इन्हीं शब्दों के साथ हम महाविद्यालय के सभी सदस्यों और प्रशिक्षुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

From Principal's Desk

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

प्रस्तुत प्रतिकृति जनवरी–अप्रैल 2019 का यह अंक शिक्षा जगत में आवश्यकता को रेखांकित करती है। इस अंक को हमने आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप अधिकाधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया है। यह सूचना पत्र पाठकों व प्रशिक्षुओं में सोई हुई शक्तियों को जगाने का कार्य करेगी। यदि आप प्रेरणाहीनता की चौहद्दी में कैद हैं तो आपको उससे बाहर निकालकर उत्साह और सकारात्मक सोच में जीने की प्रेरणा प्रदान करेगी साथ ही आपकी सफलता के सोपानों की नयी दिशा तय करेगी। इस सूचना पत्र के माध्यम से मैं आपको स्मरण दिलाना चाहती हूँ कि कठिन परिश्रम और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है। इसी परिप्रेक्ष्य में 10 से 12 जनवरी को कक्षा–शिक्षण के लिए आधुनिक पाठ–योजना के विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (10 जनवरी को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा उद्घाटन और 12 जनवरी को उपकुलपति द्वारा समापन का कार्यक्रम), 19 जनवरी को स्थानीय लोगों की विभिन्न परिस्थितियों की जानकारी के उद्देश्य से कॉलेज के प्रशिक्षुओं द्वारा शैक्षणिक सर्वेक्षण का कार्यक्रम, 23 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष जयन्ती का आयोजन, 26 जनवरी को राष्ट्रीय त्योहार 70वें गणतंत्र दिवस समारोह सह जरूरतमंदों के बीच वस्तु एवं भोजन सामग्रियों का वितरण, 3 फरवरी को प्रत्येक वर्ष की भाँति कॉलेज परिसर में शिक्षक रोजगार मेला का वृहत आयोजन, 7 फरवरी को कॉलेज स्थापना दिवस कार्यक्रम, 10 फरवरी को ज्ञान की अधिष्ठात्री सरस्वती माता की विधिवत् पूजन–अर्चना, 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन, 4 से 7 अप्रैल को 'अपनी क्षमता को जानना और समझना' विषय पर रिसोर्स पर्सन मनोवैज्ञानिक डॉ0 सुमित दत्ता और प्राचार्या डॉ0 संजीता कुमारी के नेतृत्व में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 8 अप्रैल को कॉलेज में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 विनोद कुमार कनवरिया द्वारा शैक्षणिक लेखन और शिक्षा में नैतिक विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, 9 अप्रैल को देश के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल पावापुरी, नालन्दा और राजगीर का शैक्षणिक भ्रमण, 11 अप्रैल को मसनोडीह पंचायत के कलहा–सपहा गाँव में मतदाता जागरूकता सह वस्त्र भोजन का वितरण, 17 अप्रैल को अहिंसा के पुजारी भगवान महावीर जयन्ती का आयोजन, 20 अप्रैल को मतदाता जागरूकता से संबंधित निबन्ध, पोस्टर मेकिंग और वाद–विवाद प्रतियोगिता, 24 अप्रैल को शहर के झंडा चौक पर मतदाता जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन, 28 अप्रैल को कॉलेज प्रशिक्षुओं द्वारा मतदान करने की शपथ का कार्यक्रम। आशा है, यह सूचना पत्र सभी वर्गों के लिए उपयोगी और प्रेरणादायी होगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं कर्त्तव्यनिष्ठ और निष्ठावान टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं को हार्दिक धन्यवाद देना चाहूँगी जिन्होंने उपर्युक्त सभी कार्यक्रम में अपनी सक्रिय सहभागिता देकर उन्हें मूर्त रूप दिया है साथ ही निदेशक महोदय के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ कि हमें प्रोत्साहित करते हुए कॉलेज के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

Sanjeeta Kumari

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month Jan, Feb, March & April' 2019

3-Day workshop on Developing modern lesson plan for classroom teaching.

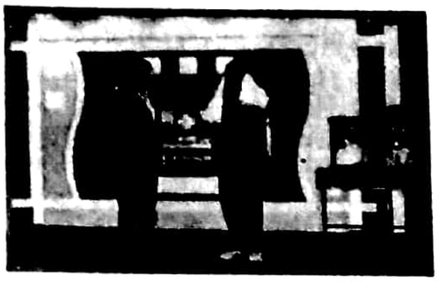

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Blanket Distribution under NSS unit

Educational survey 2019

Republic Day 2019

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Subhash Jayanti

Campus Selection Fair for Teachers 2019

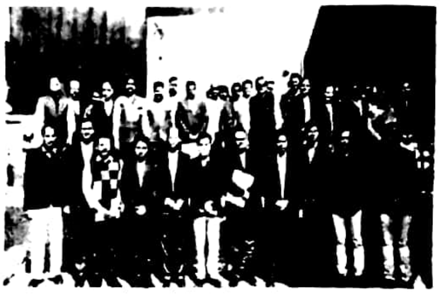

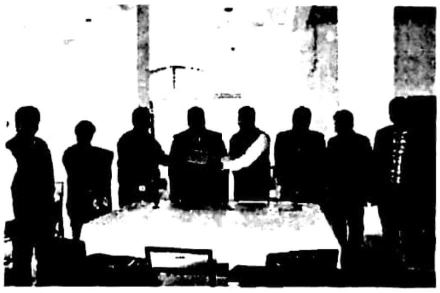

College Establishment day

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

International Women Day 2019

Mahavir Jayanti

National Conference and Seminar

Voter Awareness Programme

Educational Excursion

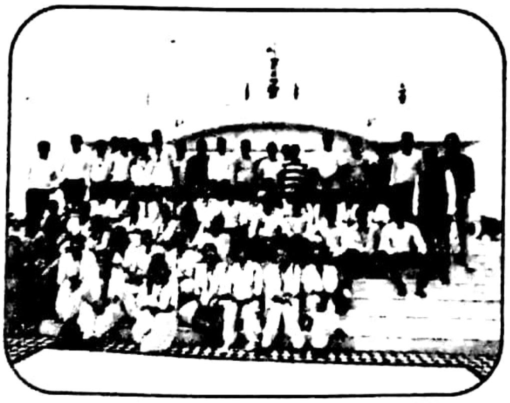

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

THE CLOZE TEST

In recent times a new and more comprehensive language test has been developed. It is based on the Gestalt theory in psychology. This theory holds that the human mind tends to see things in their entirely. This tendency leads the mind to fill any gaps in a pattern and see it as a whole for example, if a person is shown a circle with a small gap in the drawing, he would not see the gap and would take it as a complete cirlce. This tendency also functions in language use. When we read, we do not usually see the printing mistake in a familiar word. We may even supply a missing word without being aware of the omission.

A person can do this only when he understands the passage being read and has acquired the structural patterns in it as part of his reflex behaviour. The test therefore requires the candidates to supply the missing words like the usual fill-in-the blank tests; because in this test the words for deletion are not deliberately selected by the item writer. He simply decides that every nth word in the passage will be deleted, and accordingly deletes the words mechanically. For example, in the following item every 6th has been deleted.

Instructions :-

In the passage given below, every 6th word is omitted (Numbered serially 1 - 10)
Read the passage carefully two or three times to know what the passage is about.
Then try to guess the missing words and write them down against the serial numbers given below the passage.

"When we want to learn (1) very ancient times, we have (2) written nor remembered history (3) us. In those far off (4) no one in the world (5) how to write, and all (6) old stories have been forgotten (7) one can learn how ancient (8) lived by finding and studying (9) which became buried in the (10).

1 ______ 2 ______ 3 ______ 4 ______ 5 ______ 6 ______ 7 ______ 8 ______ 9 ______ 10 ______

(Scoring Key : 1. absent 2. neither 3. help 4. days 5. knew 6. the 7. But 8. peoples 9. things 10. ground).

Since the test is based on the tendency of the mind to achieve completion or closure, it is called the CLOZE TEST. (Note the spelling with the letter Z. This word has been specially coined to name the test.

The Cloze test can be regarded as a complete test of language proficiency because it tests both comprehension and expression. However, it also demands greater proficiency in the language on the past of the candidate; and as such, some experts do not consider it suitable for the school stage. But considering the simplicity and comprehensiveness of the test, it is desirable to make it usable even at the school stage.
(Source : The English Teacher's Handbook, Third revised Edition : T.C. BARUAH)

Mr. Mohit Kumar Tiwari
Asst. Prof.
Grizzly College of Education

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

शिक्षा की महत्ता

शिक्षा व्यक्ति–मन और समाज–मन से जोड़ने का सेतु है। शिक्षा भ्रम–सम्मोहन में फंसे इन्सान को उससे बाहर लाती है। यहाँ से 'जियो और जीने दो' के मंत्र का निःशब्द उद्घोष उसमें जी उठता है और सह–अस्तित्व का निर्झर उसमें से स्वतः ही फूट पड़ता है — समस्त संसृष्टि का मंगलाचरण बनकर। अन्तः प्रकाश को बाह्य प्रकाश से सम्बद्ध करना ही शिक्षा है। मानव में अन्तर्निहित करूणा, प्रेम दया, ममता, मुदिता, सत्य, अहिंसा, त्याग, सहानुभूति और सौहार्द इत्यादि के अक्षय स्रोत को ऋचाओं की भाँति गुंजायमान हो जाने देना ही शिक्षा है। शिक्षा का सेतु अत्यन्त संवेदनशील है। शिक्षा व्यक्ति और समाज को संवेदनशीलता से परस्पर–आबद्ध कर निखिल में परिव्याप्त कर ब्रह्मवत् हो जाने का अवसर प्रदान करती है। शिक्षा सत्ता का सोपान नहीं, सत्ता पर लगाया जानेवाला अंकुश है।

शिक्षा सत्ता को जितना जोड़ेगी उतना ही व्यक्ति और समाज के मन को शान्ति, प्रसन्नता और आनन्द की अनंत अनुभूति होगी।

श्री सुरेश सिंह
पुस्तकालयाध्यक्ष
ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन

"वक्त"

तारीखें गुजरेंगी
साल गुजर जायेंगे
रातें यूँ ही बीतेंगी और
दिन यूँ ही ढल जायेंगे
कोई कितना रोके इनको
ये कहाँ रूक पाऐंगे
अपनी धुन के ये हैं पक्के
ये तो चलते जायेंगे
न जाने कितने जन्मेंगे यहाँ और
कितने ही मर जायेंगे
कितने ही गुमनाम और
किये याद कितने ही जायेंगे
जिनके हक में जितना है
वो उतना ही पायेंगे
लाख कोशिशें करके भी
मलते हाथ वो रह जायेंगे
खुशियों के रेले कभी और
कभी तुफां गम के आयेंगे
कितने तो टूट जायेंगे
जिनको आज देखा है
वो कल नजर न आयेंगे
"वक्त" की तावीर पर
नये चेहरे उभर आयेंगे।

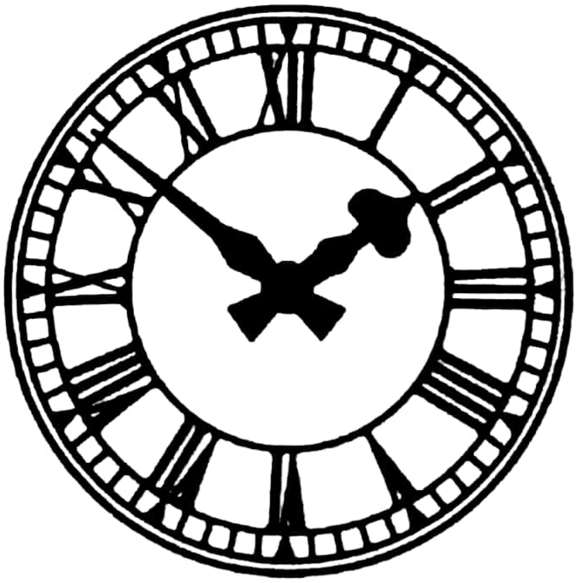

प्राची कुमारी
क्रमांक - 992
बी.एड.- 2018–20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

रूकना चलना चलना रूकना

"रूकना चलना चलना रूकना,
जीवन की यही कहानी है।
हर मंजिल में नई कहानी,
सुननी और सुनानी है।
सुख दुःख आते हैं जाते हैं,
ये जाएंगे जाएंगे।

इन सबसे लड़कर ही हम,
अपना इक जहाँ बनाएगे।
आए हैं इस दुनिया में तो,
इतना तो फर्ज निभाएंगे।
कुछ रोतों को संबल देंगे,
कुछ को बहुत हंसाएंगे।

जीवन में हम नया सवेरा,
नव उम्मीद जगाएंगे।
यू ही सस्ते से बनकर
हम नहीं यहाँ से जाएंगे।
याद रहेंगे यादों में,
कुछ ऐसा कर के जाएंगे।

खुशबू कुमारी
क्रमांक - 11
डी.एल.एड. - 2018-20

प्रथम लोकसभा चुनाव

- स्वतंत्र भारत का प्रथम लोकसभा चुनाव संविधान के अंगीकृत किए जाने के बाद फरवरी 1952 में संपन्न हुआ था।
- उस समय लोकसभा में 489 सीटें थी।
- 15 अगस्त 1947 में भारत के आजाद होने के बाद दे ा के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 15 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन किया।
- उस समय कांग्रेस सबसे लोकप्रिय और प्रभावी दल था।
- प्रथम आम चुनाव के बाद श्री भयामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग मंत्री बने थे और संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष डॉ0 भीम राव अम्बेडकर ने कानून मंत्री का पद भार सम्भाला था।
- प्रथम लोकसभा में कांग्रेस के अतिरिक्त जिन दलों ने चुनाव में भाग लिया था वे थे –
  1) आचार्य जे0 बी0 कृपलानी की किसान मजदूर पार्टी
  2) डॉ0 भयामा प्रसाद मुखर्जी की भारतीय जन संघ
  3) डॉ0 अम्बेडकर की रिपब्लिकन पार्टी
  4) जय प्रका ा नारायण की सोसलिस्ट पार्टी।
- 1952 में भारत की साक्षरता दर मात्र 10% थी इसलिए चुनाव आयोग ने कई अलग–अलग रंगों के बैलेट बॉक्स की व्यवस्था करवाई और मतदाता अपने बैलेट बॉक्स के नलपर चुनाव चिन्ह देखकर उसमें अपना वोट डाल देते थे।
- कैसे हुआ था पहला लोकसभा चुनाव
  1) 5 माह का समय लगा था (Oct 1951 से Feb 1952)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

2) 4500 सीटों के लिए हुए थे चुनाव (लोकसभा एवं विधानसभाओं का एक साथ)
3) 18,000 प्रत्या‍ि यों ने आजमाई थी अपनी किस्मत।
4) 17.6 करोड़ मतदाताओं का हुआ था पंजीकरण।
5) 3.8 लाख पेपर रिम्स का उपयोग बैलेट पेपर बनाने के लिए किया गया।
6) 3.90 लाख स्याही के पैक का उपयोग मतदाताओं की उँगलियों पर नि ान लगाने को किया गया।
7) 20 लाख बैलेट बॉक्स का निर्माण किया गया मतदान के लिए।
8) 8,200 टन स्टील लगा बैलेट बॉक्स बनाने में।
9) 2.24 लाख मतदान केन्द्र बनाए गए। 16500 लोगों को 6 महीने के अनुबंध पर मतदान कराने के लिए किया गया नियुक्त।
10) 56,000 अधिकारियों को निगरानी के लिए चुना गया।
11) 2.8 लाख Volunteer भी दे रहे थे मतदान कार्य में सहयोग।
12) 24 लाख पुलिसकर्मियों को लगाया गया था चुनाव कार्यों में।
13) 3000 फिल्म पूरे भारत में दिखाए गए चुनाव संबंधी जानकारी देने के लिए।

- प्रथम मुख्य चुनाव के आयुक्त भारतीय नागरिक सेवा (ICS) अधिकारी श्री सुकुमार सेन थे जिन्होंने 1952 और 1957 के चुनाव कराए। दूसरे चुनाव यानि की 1957 के चुनाव में श्री सुकुमार सेन ने सरकार का 4.5 करोड़ रूपया बचाया क्योंकि पहले चुनाव के 35 लाख बैलेट बॉक्स थे। भारत में सफल चुनाव कराने वाले सेन को सूडान सरकार ने अपने यहाँ होने वाले प्रथम चुनाव की निगरानी का जिम्मा सौंपा था।

आकांक्षा मिश्रा
क्रमांक - 947
बी.एड.- 2018-20

नाविक की नाव

एक नाविक ने एक दिन सोचा।
एक सी राह बनाऊँगा
ना इस तट का, ना उस तट का
मैं मध्य-मध्य ही जाऊँगा।।

मान में तरसता सा ख्वाब लिये
और दृढ़ता का सैलाब लिये
उतर गया लहरों के मध्य
अपनी विचारों की नाव लिये।।

वह सच्चा था, था मध्य खड़ा।
अपनी धुन में, दृढ़ता से अड़ा
मतवाला था अपनी तट का
ना इस तट का न उस तट का।।

नदी चंचल है, पटरी तो नहीं।
नदी जीवन है, जंग तो नहीं
चौड़ी है कहीं, कहीं सिकुड़ी है
है सघन कहीं, कहीं बिखरी है।।

नाविक जो मध्य से शुरू हुआ।
उसे ध्यान बहुत ही देना है
अपनी पतवार को, ज्ञानी बन
उसे संभालकर रखना है।

नाविक ने यहीं कर दी थी भूल
नदी मुड़ती गयी, वे मुड़े नहीं
दो 'मध्य' हो गये आगे फिर
और दोनों मध्य फिर जुडे नहीं।।

नदी का जो मध्य, बदलता है,
वो समय स्थान संग चलता है
नाविक के 'मध्य' में जुड़ता है।

नाविक ने सत्य से शुरू किया।
बस नाव चलाना भूल गया
अपने 'सोच- की बस ढाल बना
पतवार चलाना भूल गया।

नैन्सी कुमारी
क्रमांक - 915, बी०एड० 2018–20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

आत्मविश्वास बढ़ाओ

लो यह क्रीम लगाओ
एक सप्ताह में निखार पाओ
अपना आत्मविश्वास बढ़ाओ।
ओह! कैसी विडम्बना ?
आत्मविश्वास पाने का कैसा पैमाना ?
यदि ऐसा होता तो -
देखो कल्पना चावला को
बिना विज्ञान में गोता लगाए
बिना अंतरिक्ष की बारीकियों को जाने
बस क्रीम ही क्रीम लगाती
और अंतरिक्ष फतह कर जाती

और देखो -
बॉक्सिंग क्वीन मैरी कॉम को
बॉक्सिंग के गुर सीखे बिना
कड़ी मेहनत किये बिना
बस क्रीम ही क्रीम लगाती
अपना आत्मविश्वास बढ़ाती
और बॉक्सिंग क्वीन बन जाती

और भी देखो -
सेरेना बिलियम्स को
टेनिस रैकेट को पकड़े बिना
खून-पसीना बहाए बिना
बस क्रीम ही क्रीम लगाती
अपना आत्मविश्वास बढ़ाती
और विश्व में परचम लहराती
और ऐसा होता -
सफलता का शार्टकट निकल आता
सिर्फ चेहरे का गोरापन
असीम आत्मविश्वास दिलाता
सफलता की गारंटी दिलाता

दहेज, भ्रूणहत्या, दुर्व्यवहार को
हम अपराध मानते हैं
तो क्या यह अपराध नहीं ?
ईश्वर की रचना पर संदेह नहीं ?
जो लोग रंगभेद सिखाते हैं
गुणों को छोड़ गोरेपन को महत्व देते हैं
ऐसी मानसिकता का बहिष्कार करो
क्रीम पर नहीं अपने प्रयास पर विश्वास करो।

पूनम कुमारी
क्रमांक - 944
बी०एड० 2018-20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Best House of The Month January'19 :- Rousseau House

Best House of The Month February'19 :- Radhakrishnan House

Best House of The Month March'19 :- Rousseau House

Best House of The Month April'19 :- Vivekanand House

Achievements

100% Attendance for B.Ed Session 2018-20 in Jan'2019

Kriti Kumari	905
Saloni Bhadani	912
Nancy Kumari	915
Pinki Kumari	917
Archana Kumari	921
Poonam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947
Shweta Pandey	970
Priya Dadpuri	989
Sima Kumari	990
Guddi Kumari	995

100% Attendance for B.Ed Session 2017-19 in March'19

Vikash Kumar	811
Bipul Kumar	828
Ranju Kumari	851
Suman Kumari	854
Krishna Kumar Yadav	871
Chhoti Kumari	872
Rinki Kumari	875
Shadwal	885
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888
Uday Kumar	894

100% Attendance for B.Ed. Session 2017-19 in Feb'2019

Vikash Kumar	811
Ranju Kumari	851
Krishna Kumar Yadav	871
Chhoti Kumari	872
Rinky Kumari	875
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in Jan'2019

Umesh Kumar	06
Khushboo Kumari	11
Pushpa Kumari	13
Sikendra Kumar	14
Nisha Bhagat	28

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in March 2019

Kriti Kumari	905
Saloni Bhadani	912
Priyanka Kumari	916
Archana Kumari	921
Puja Kumari	933
Poonam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947
Shweta Pandey	970
Sima Kumari	990

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in Feb'2019	
Khushboo Kumari	11

100% Attendance for B.Ed. Session 2017-19 in April'2019	
Vikash Kumar	811
Ranju Kumari	851
Priya Kumari	861
Krishna Kumar Yadav	871
Chhoti Kumari	872
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888

100% Attendance for B.Ed Session 2018-20 in April 2019	
Kriti Kumari	905
Nancy Kumari	915
Archana Kumari	921
Poonam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947

100% Attendance for D.El.Ed Session 2018-20 in April 2019	
Khushboo Kumari	11
Sikendra Yadav	14

Editorial Board

Chief Editor :-

Dr. Sanjeeta Kumari

Editor :-

Prof. Mohit Kumar Tiwari

Editorial Board Student :-

Aakanksha Mishra

& Somesh Ranjan

To,

Printed At. [illegible] PRESS, [illegible]

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner